

“आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों में मानचित्र संबंधी समस्याओं पर
अधिगमकर्ता पारस्परिक क्रिया विधि के प्रभाव का अध्ययन”

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल

की

एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा)

की

आंशिक पूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघुशोध प्रबंध

(2004-2005)



निर्देशिका

शोधकर्ता

श्रीमती भारती

व्याख्याता (विशिष्ट शिक्षा)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल

कु. पूनम मुदलियार

एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.), भोपाल
मध्यप्रदेश

“आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों में मानचित्र संबंधी समस्याओं पर
अधिगमकर्ता पारस्परिक क्रिया विधि के प्रभाव का अध्ययन”

① -192

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल

की

एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा)

की

आंशिक पूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघुशोध प्रबंध

(2004-2005)



निर्देशिका

शोधकर्ता

श्रीमती भारती

व्याख्याता (विशिष्ट शिक्षा)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल

कु. पूनम मुदलियार

एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.), भोपाल
मध्यप्रदेश

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु. पूनम मुदलियार, एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) छात्रा, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल के बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल ने "आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों की मानचित्र संबंधी समस्याओं पर अधिगमकर्त्ता पारस्परिक क्रिया विधि के प्रभाव का अध्ययन" लघुशोध प्रबंध मेरे निर्देशन में विधिवत पूर्ण किया गया है। लघु-शोध मौलिक है जो कि इनकी लगन और निष्ठा से किया गया प्रयास है।

प्रस्तुत लघु शोध-प्रबंध बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की सन् 2004-2005 की शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.एड.) परीक्षा की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत किये जाने योग्य है।

स्थान :- भोपाल

दिनांक :

निर्देशिका

अध्यापिका
6/2/05
(श्रीमती भारती)

व्याख्याता (विशिष्ट शिक्षा)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल



आमुख

करती हूँ आभार व्यक्त,
किन्तु शब्द पडते कम।
करती हूँ धन्यवाद आपका,
किन्तु यह भी लगता कम।।

पूर्ण हुआ जो कार्य मेरा,
आपका मार्गदर्शन था पूर्ण।
अब व्यक्त करूँ कैसे,
मन के भाव नहीं होते कम।।

आभार व्यक्त करना कठिन है आपके अमूल्य सहयोग व मार्गदर्शन के लिए शब्द कम पड़ते हैं।

सर्वप्रथम मैं अपनी निर्देशिका श्रीमती भारती, व्याख्याता (विशिष्ट शिक्षा) क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान की सहृदय से आभारी हूँ, जिन्होंने शोध को प्रतिरूप देने में मार्गदर्शन किया।

शिक्षा विभाग के श्री लक्ष्मीनारायण, प्रवक्ता (शिक्षा) क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान की आभारी हूँ जिन्होंने सांख्यिकीय कार्य में अतुलनीय सहायता की।

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, शिक्षा विभाग के श्रीमती ग्रेवाल, श्री खेमराज शर्मा, श्री के.के. खरे, श्री एस.के. गुप्ता, श्री रमेश बाबू, श्री संजय पंडागले, श्री आनन्द वाल्मीकि, श्रीमती स्वाति पात्रा, श्रीमती इन्द्राणी भादुड़ी, श्री सुनीती खरे की आभारी हूँ, जिन्होंने शोध-संगोष्ठी के माध्यम से सदैव

मार्गदर्शन किया। सामाजिक विज्ञान और मानविकी विज्ञान विभाग के श्री जे. पी. सिंह, आचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान एवं श्री ए.आर. सिंह, व्याख्याता, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, को धन्यवाद देती हूँ।

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान के पुस्तकालय विभाग के श्री पी.के. त्रिपाठी व समस्त कर्मचारियों को धन्यवाद देती हूँ।

मैं कृतज्ञ हूँ मेरी माताजी श्रीमती जे. राजामणी, जिन्होंने हर समय प्रोत्साहित किया तथा परिवार के समस्त सदस्यों का जिनकी शुभकामनाओं से मेरे कार्य को गति मिली।

मैं प्राचार्य श्री एस.के. पाण्डेय, सेंट विसेंट पैलोटी विद्यालय तथा प्राचार्य, भारत -भारती विद्यालय को धन्यवाद देती हूँ, जिन्होंने अपने विद्यालय में शिक्षण कार्य करने की अनुमति प्रदान की। साथ ही साथ समस्त शिक्षकगण एवं कर्मचारियों के अतुलनीय सहयोग की हृदय से आभारी हूँ। मैं आभारी हूँ तथा धन्यवाद देती हूँ। सभी विद्यार्थीगण का जिन्होंने धैर्यपूर्ण होकर आंकड़ों के संकलन में सहयोग प्रदान किया।

अंततः मैं अपने सभी सहपाठियों की विशेष रूप से आभारी हूँ, जिन्होंने कदम-कदम पर कार्य पूर्ण करने में मुझे प्रोत्साहन तथा सहायता प्रदान की।

स्थान : भोपाल

दिनांक : 06/04/05

पू.म.
6/04/05
कु. पू.म. मुदलियार

विषय - सूची

अध्याय	प्रकरण	पृष्ठ संख्या
प्रथम	<p>शोध - परिचय</p> <p>प्रस्तावना</p> <p>भूगोल</p> <p>भूगोल शिक्षण की विधियाँ</p> <p>मानचित्रकला</p> <p>मानचित्र शिक्षण के उद्देश्य</p> <p>अध्ययन के उद्देश्य</p> <p>परिकल्पना</p> <p>शब्दों की व्यवहारिक व्याख्या</p> <p>अध्ययन का सीमांकन</p>	1-22
द्वितीय	<p>संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन</p> <p>प्रस्तावना</p> <p>संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन</p>	24-36
तृतीय	<p>शोध-प्रविधि</p> <p>प्रस्तावना</p> <p>शोध का उद्देश्य</p> <p>शोध - अभिकल्प</p> <p>प्रतिचयन</p> <p>चर</p>	37-46

अध्याय	प्रकरण	पृष्ठ संख्या
	उपकरण उपकरण - 1 एवं 2 परीक्षण का प्रशासन उपकरण -3 आंकड़ों का विश्लेषण	
चतुर्थ	प्रदत्तों का विश्लेषण परिणाम एवं व्याख्या प्रस्तावना आंकड़ों का विश्लेषण व्याख्या	48 -53
पंचम	शोध सारांश, निष्कर्ष एवं सुझाव प्रस्तावना शोध के उद्देश्य परिकल्पना चर शोध अभिकल्प प्रतिचयन उपकरण आंकड़ों का विश्लेषण मुख्य परिणाम	54 -57

अध्याय	प्रकरण	पृष्ठ संख्या
	<p style="text-align: center;">भविष्य के लिए शोध सुझाव</p> <p style="text-align: center;">संदर्भ ग्रंथ सूची</p> <p style="text-align: center;">परिशिष्ट</p> <p>✦ पूर्व परीक्षण</p> <p>✦ पश्च - परीक्षण</p> <p>✦ अधिगमकर्त्ता पारस्परिक क्रिया विधि प्रपत्र</p> <p>(1) अक्षांश - देशांतर ज्ञान संबंधी प्रपत्र</p> <p>(2) अक्षांश - देशांतर ज्ञान संबंधी प्रपत्र</p> <p>(3) दिशा - ज्ञान संबंधी प्रपत्र</p> <p>(4) मापनी ज्ञान संबंधी प्रपत्र</p>	